NEWS CLIPPING: 22.02.2021

HINDUSTAN

मातृभाषा मानव विकास में अहम योगदान दे रही

बल्लभगढ़ | कार्यालय संवाददाता

अग्रवाल कॉलेज में रविवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी विभाग की ओर से शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के निर्देश पर एक ऑनलाइन अतिथि व्याख्यान और स्लोगन (नारा) लेखन का आयोजन करवाया गया।

इस कार्यक्रम में जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) के कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार प्रेरक रूप में रहे। साथ ही जेसी बोस विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) के रजिस्ट्रार प्रोफेसर सुनील गर्ग मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। इन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि मातृभाषा किसी भी व्यक्ति के विकास लिए बहुत आवश्यक है- 'निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल, बिन निज भाषा ज्ञान के मिटत न हिय को सूल।'

जीवन की पहली सीढ़ी भाषा

मुख्य वक्ता के रूप में डॉ केशव देव शर्मा (एसोसिएट प्रोफेसर गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कन्या महाविद्यालय, पलवल) रहें। इन्होंने कहा कि मातृभाषा जीवन की पहली सीढ़ी होती है और इसके माध्यम से जो ज्ञान सीखा जाता है।

वह विद्यार्थी सहजता से हृदयंगम कर सकता है। वहीं उसका अपनी भाषा द्वारा मानसिक विकास भी संभव हो पाता है। साथ ही सीखी हुई बातों को लम्बे समय तक उसे स्मृति में भी बनाया रखा जा सकता है। समन्वय स्थापित करने में भी सहायता मिलती हैं। उन्होंने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ ने 19 साल पहले मातृभाषा दिवस घोषित किया था, ताकि इसके महत्व को समझा जा सके।

सामाजिक और भाषायी पहचान है मातृभाषा

अग्रवाल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता के कुशल नेतृत्व एवं सक्रिय भागीदारिता के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता ने बताया किसी भी व्यक्ति के लिए मातृभाषा मां की भांति होती है, जिससे मनुष्य सबसे पहले परिचय प्राप्त करता है। मातृभाषा किसी भी व्यक्ति की समाजिक एवं भाषाई पहचान होती है।

NEWS CLIPPING: 22.02.2021

NBT

'मातृभाषा के संरक्षण के लिए करें प्रयास'

एनबीटी न्यूज, बल्लभगढ़: अग्रवाल कॉलेज और जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद ने संयुक्त रूप से रविवार को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाया। अग्रवाल कॉलेज में हुए कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता मौजूद डॉ. केशव देव शर्मा सह आचार्य गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज पलवल ने मातृभाषा का महत्व बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की उन्नति में मातृभाषा का विशिष्ट योगदान होता है। सभी को अपनी मातृभाषा के संरक्षण के लिए प्रयास करना चाहिए। अग्रवाल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. कृष्णकांत गुप्ता और जेसी बोस विवि वाईएमसीए के रजिस्ट्रार डॉ. सुनील गर्ग ने भी राष्ट्र निर्माण में मातृभाषा के योगदान पर प्रकाश डाला।

NEWS CLIPPING: 22.02.2021

SATYAJAY TIMES

अग्रवाल महाविद्यालय में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

बल्लभगढ़, 21 फरवरी, सत्यजय टाईम्स/गोपाल अरोड़ा। अग्रवाल महाविद्यालय ने जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद के साथ संयुक्त रूप से 21 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ केशव देव शर्मा सह आचार्य गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म महाविद्यालय पलवल । उन्होंने अपने वक्तव्य में मातृभाषा के

महत्व के बारे में श्रोताओं को जागरूक किया। उन्होंने बताया की मां मातृभूमि और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं है हमें लोगों को अपनी मातृभाषा के बारे में जागरूक करना चाहिए किसी राष्ट्र की उन्नति के मूल में मातृभाषा का एक विशिष्ट योगदान होता है। इसलिए हम सभी को मिलकर अपनी मातृभाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संयुक्त प्रयास करते रहना चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक डॉ अशोक कुमार निराला एवं आयोजन समिति के सदस्य डॉक्टर संतोष विश्नोई डॉक्टर रेनू महेश्वरी मधु सिंगला आदि रहे। कार्यक्रम संयोजक ने कार्यक्रम से जुड़े हुए अतिथियों एवं मुख्य वक्ता का स्वागत किया एवं विषय से श्रोताओं को रूबरू कराया। प्राचार्य डॉ कृष्णकांत एवं जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए फरीदाबाद के रजिस्ट्रार डॉक्टर सुनील गर्ग ने भी कार्यक्रम में अपने विचार प्रस्तुत किए एवं राष्ट्र निर्माण में मातृभाषा के योगदान पर प्रकाश डाला। डॉक्टर संतोष बिश्नोई ने सभी का धन्यवाद किया एवं कार्यक्रम का समापन कल्याण मंत्र के साथ किया गया। ज्ञात हो की इस कार्यक्रम का आयोजन शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास की पहल पर किया गया। न्यास के राष्ट्रीय सचिव माननीय श्री अतुल कोठारी जी ने देश के सभी विद्यालयों महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों के शिक्षकों प्राचार्य एवं कुलगुरुओं से इस दिवस को मनाने का आवाहन किया था।